UNIT-1st-A

Date: / /

विज्ञान का अर्थ, स्वरूप तथा महत्व

MEANING NATURE AND IMPORTANCE OF SCIENCE

व्यापक अर्थ में किसी भी विषय ज्ञान, वस्तु ज्ञान या व्यवस्थित ज्ञान को विज्ञान कहा जा सकता है। पहले लोग विज्ञान में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित के ज्ञान को सम्मिलित मानते थे। अब सामाजिक अध्ययन, अर्थशास्त्र, समाज विज्ञान आदि को भी विज्ञान की संज्ञा देने लगे हैं।

वस्तुतः विज्ञान शब्द वि + ज्ञान से बना है जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार का ज्ञान, सुव्यवस्थित ज्ञान अथवा विशिष्ट ज्ञान है। Science शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द Scire (to know) से हुई है जिसका अर्थ है जानना। लेकिन Science शब्द विज्ञान के अर्थ में ही प्रयुक्त होता है। इस प्रकार विज्ञान शब्द का अर्थ उस ज्ञान से है जो बुद्धि द्वारा ग्रहण किया जाय और शब्दों के माध्यम से दूसरों तक प्रेषित किया जाय अर्थात विज्ञान का अर्थ है सार के रूप में ज्ञान। अब प्रश्न यह आता है कि ज्ञान प्राप्त करने के क्या साधन हैं? यह स्पष्ट है कि हम अपने चारों ओर की सृष्टि का ज्ञान अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त करते हैं। परन्तु यह आवश्यक नहीं है कि सूक्ष्म वस्तुओं के विषय में भी हमें ज्ञानेन्द्रियों से ज्ञान प्राप्त हो जाय। सूक्ष्म वस्तुओं का ज्ञान प्राप्त करने के लिए अन्य सूक्ष्म ग्राही यन्त्रों को उपयोग में लाया जाता है। प्रश्न उठता है कि इन सब ज्ञान से विज्ञान का क्या सम्बन्ध है। इसके उत्तर में यह कहा जा सकता है कि वास्तव में प्राकृतिक घटनाओं का अध्ययन करना तथा उनमें आपस में सम्बन्ध ज्ञात करने का काम ही विज्ञान है। विज्ञान का क्षेत्र अत्यन्त विशाल है। जैसे-जैसे मनुष्य का

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

ज्ञान क्षेत्र विस्तृत होता जाता है, वैसे-वैसे विज्ञान में भी नये-नये क्षेत्र विकसीत होते जाते हैं। आधुनिक युग में हम विज्ञान वैज्ञानिक और वैज्ञानिक आविष्कारों के बारे में बड़ी रुचि से पढ़ते हैं। सुनते है और बात करते हैं। कुछ लोग विज्ञान को रहस्यमय समझते हैं। और कुछ के लिए एक विचार जादु है। जिसके द्वारा मानव जाति की सभी कठिनाइयों का अंत किया जा सकता है। और केवल बटन दबाने मात्र से ही सुखदायी एवं आनन्दित जीवन व्यतीत किया जा सकता है। विज्ञान ऐसा कुछ भी नहीं है। बल्कि यह तो विश्व के ज्ञान का क्रमबद्ध रुप है। जैसे-जैसे ज्ञान बढ़ता जाता है। इसकी उपयोगिता भी बढ़ती जाती है।

कुछ परिभाषाएँ (Few Definitions)

विभिन्न-विभिन्न विद्वानों ने 'विज्ञान' शब्द को परिभाषित करने के लिये विभिन्न-2 दृष्टिकोणों का सहारा लिया है। कुछ प्रमुख परिभाषाएँ इस प्रकार हैं।

1- एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका-

"विज्ञान भौतिक घटनाओं और उनके बीच सम्बन्धों का सुव्यवस्थित ज्ञान है।"

2- सामान्य अर्थ:-

'ज्ञान का क्रमबद्ध रुप विज्ञान है'

अथवा

सामान्य ज्ञान का संगठित रुप विज्ञान है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

अथवा

"विज्ञान सच्चाई का संकलन है।"

3- आईस्टीन (Einstein) के अनुसार — "हमारी ज्ञान अनुभूतियों की अस्त व्यस्त विविधता को एक तर्कपूर्ण विचार प्रणाली निर्मित करने के प्रयास को विज्ञान कहते हैं।

विज्ञान की प्रकृति :- मनुष्य सदा से सृष्टि के पिछे सत्य की खोज में रहा उसे प्रकृति की बनावट उसकी कार्य शैली तथा उसके मूल सिद्धान्तों को जानने की तीव्र इच्छा रही है। प्रकृति के कार्य के नियमो को समझे बिना प्रकृति की शक्तियों को अपने सुख के लिए प्रयोग में लाना सम्भव था। मनुष्य की आकाँक्षाओं तथा प्रकृति की कार्य दशाओ में समन्वय आवश्यक था। दूसरी ओर यह खतरा भी था कि प्रकृति के नियमों के प्रतिकूल कार्य करने में कहीं सम्पूर्ण जीवन ही नष्ट न हो जाय परन्तु संसार के भौतिक नियमों भेद, उसकी यथार्थता तथा उसकी कार्य - प्रणाली सदा शाश्वत चुनौती का विषय रहा प्रत्येक विषय की अपनी अलग ही प्रकृति होती है। किन्ही भी दो विषयों की तुलना हम उनकी प्रकृति के आधार पर ही कर सकते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

विज्ञानविषयकी प्रकृति ~~होती है~~ को हम कुछ महत्त्वपूर्ण विन्दुओं के आधार पर इस प्रकार स्पष्ट कर सकते हैं।

20/08/20

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया